समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र एवं विषय-वस्तु

(Scope & Subject Matter of Sociology)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र क्या है?

- 19वीं शताब्दी में उदित नवीन सामाजिक विज्ञान
- मानव समाज की संरचना तथा प्रकार्यों का वैज्ञानिक अध्ययन
- एक समूह के सदस्यों के व्यवहार किसी दूसरे समूह के सदस्यों से भिन्न क्यों होते हैं?
- सामाजिक व्यवहारों व संबंधों का वैज्ञानिक अध्ययन
- समाजों, संस्थाओं व समूहों की संरचना, तथा इनके साथ मानवीय अंतःक्रियाओं का अध्ययन
- संस्कृति तथा एक भौतिक सीमा के साथ संबंधित मानवों का समूह ही समाज है तथा इसका वैज्ञानिक अध्ययन समाजशास्त्र है।

समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र

- विषय-क्षेत्र का आशय किसी भी अध्ययन की व्यवहारिकता को जानने से है। अर्थात् नवीन विचारों, घटनाओं, समस्याओं आदि को समझना।
- समाजशास्त्र के विषय-क्षेत्र को चार चरणों में समझा जा सकता है।
- प्रथम चरण (1838-1880): आरंभिक चरण
- द्वितीय चरण (1880-1940)
- तृतीय चरण (1940-1980)
- चतुर्थ चरण (1980 से अब तक): वर्तमान चरण

प्रथम चरण (1838-1880)

- **Macro Unit (वृहत इकाई):** समाज को एक वृहत इकाई के रूप में समझना
  - **अगस्त कॉम्ट:** सामाजिक स्थैतिकी तथा सामाजिक गतिकी
  - **सेंट साइमन:** सामाजिक भौतिकी
- **Inductive Approach (आगमनात्मक परिप्रेक्ष्य):** सामाजिक यथार्थ/वास्तविकता को अनुभववाद के आधार पर समझना
  - **अगस्त कॉम्ट:** सामाजिक प्रत्यक्षवाद
  - **हर्बर्ट स्पेंसर:** सावयवी एकता
- **Humanistic Perspective (मानवतावादी परिप्रेक्ष्य):** सामाजिक समस्याओं को समझना तथा उनका समाधान प्रस्तुत करना

द्वितीय चरण (1880-1940)

- समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र अधिक व्यापक
- **Micro Unit (सूक्ष्म इकाई):** समाज को एक सूक्ष्म इकाई के रूप में समझना
  - **मैक्स वेबर:** व्याख्यात्मक समाजशास्त्र (वर्स्टीहेन)
- **Macro Unit (वृहत इकाई):** समाज को एक वृहत इकाई के रूप में समझना
  - **ईमाइल दुर्खीम:** सामाजिक तथ्य
- समाजशास्त्र का अध्ययन-अध्यापन अनेक विश्वविद्यालयों में आरंभ
- समाजशास्त्र के विषय-क्षेत्र का दो वैचारिक संप्रदायों में बँटवारा
  - स्वरूपात्मक संप्रदाय (Formal School)
  - समन्वयात्मक संप्रदाय (Synthetic School)

संप्रदाय

- **स्वरूपात्मक अथवा विशिष्टवादी संप्रदाय (Formal School)**- Micro: Subjective understanding of objective reality, अधिकतर विद्वान जर्मनी से
  - **मैक्स वेबर:** व्याख्यात्मक संप्रदाय (वर्स्टीहेन, सामाजिक क्रिया)
  - **जॉर्ज सीमेल:** अंतःक्रिया का स्वरूप (औपचारिक तथा अनौपचारिक)
  - **अल्फ्रेड वीरकान्त:** मानव का सामाजिक व मनोवैज्ञानिक व्यवहार
  - **लियोपॉर्ड वानवीज:** मानवीय व्यवहार- साहचर्य तथा असामाजिक
  - **फर्डिनांड टॉनीज:** गमाइनशाफ़्ट (समुदाय/ सरल समाज) तथा गेसेलशाफ़्ट (समाज/ औद्योगिक समाज)
- **समन्वयात्मक संप्रदाय (Synthetic School)**- Macro: समाजशास्त्र का विस्तृत व व्यापक अध्ययन क्षेत्र
  - **ईमाइल दुर्खीम:** वृहत सिद्धांत (सामाजिक तथ्य, आत्महत्या का सिद्धांत)
  - **पीतरिम सोरोकिन:** सामान्य समाजशास्त्र (परिवार, धर्म आदि का स्वरूप सर्वव्यापी) तथा विशिष्ट समाजशास्त्र (भारत में जाति व्यवस्था, अमेरिका में प्रजाति)
  - **कार्ल मैनहीम:** संरचना की व्याख्या तथा व्यापक विचार '*Ideology and Utopia*'
  - **लेस्टर एफ. वार्ड, लियोनॉर्ड टी. हॉबहाउस**

तृतीय चरण (1940-1980)

- **स्वरूपात्मक + समन्वयात्मक संप्रदाय:**
  - **टालकाट पारसंस** *'Structure of Social Action'*, *'The Social System'*
  - **रॉबर्ट मर्टन:** प्रकार्य- प्रकट तथा अप्रकट (वृहत व सूक्ष्म)
  - **सी. राइट मिल्स** *'Sociological Imagination'*: Sociology of Coffee- Discuss the chain
  - **एंथोनी गिडेंस:** संरचनाकरण का सिद्धांत (Double Hermeneutics)

- **स्वरूपात्मक संप्रदाय:** लोकविधि विज्ञान (हेराल्ड गारफ़िंकेल, इर्विंग गॉफमैन), प्रघटनाशास्त्र (एडमंड हुसरेल, अल्फ्रेड शुट्ज़, पीटर बर्जर व थॉमस लकमैन)

चतुर्थ चरण (1980 से अब तक)

- **उत्तर आधुनिकतावाद:** महान/वृहत आख्यानों का विरोध, वृहत सिद्धांतों का विरोध
  - **जैक्स दरीदा:** विखंडन का सिद्धांत
  - **मिशेल फूको:** विमर्श विश्लेषण
  - **एलन ब्राइमैन:** बहु-अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य (Multidisciplinary Approach)

- **अन्य सिद्धांत:** संघर्षवाद तथा नारीवाद

समाजशास्त्र की विषय-वस्तु

ईमाइल दुर्खीम

- **सामाजिक स्वरूपशास्त्र:** सामाजिक संगठन बनाने में सहायक दशाओं का अध्ययन (भौगोलिक परिस्थितियाँ, जनसंख्या का घनत्व आदि)
- **सामाजिक शरीर रचना:** अनेक उपखंडों में वर्गीकृत; विशेष विज्ञानों द्वारा किए जाने वाले अध्ययन शामिल (ज्ञान का समाजशास्त्र, धर्म का समाजशास्त्र, कानून का समाजशास्त्र आदि)
- **सामान्य समाजशास्त्र:** सामान्य हितों व सामाजिक नियमों को सुरक्षित रखने वाली महत्वपूर्ण विधियों का अध्ययन (दार्शनिक भाग)

एलेक्स इंकेल्स

- **ऐतिहासिक विधि:** अगस्त कॉम्ट, हर्बर्ट स्पेंसर, ईमाइल दुर्खीम तथा मैक्स वेबर
- **आनुभविक विधि:**
  - पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण
  - विभिन्न विद्वानों द्वारा समाजशास्त्र की भिन्न शाखाओं का समर्थन
  - अनुसंधान पत्रिकाओं व अन्य रिपोर्टों में प्रकाशित लेख
- **विश्लेषण विधि:** तार्किक विश्लेषण
  - समाजशास्त्र समाज का अध्ययन है।
  - समाजशास्त्र सामाजिक संस्थाओं का अध्ययन है।
  - समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों का अध्ययन है।

धन्यवाद !